सऊदी क्राउन प्रिंस की भारत यात्रा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

23 फरवरी, 2019

"सऊदी क्राउन प्रिंस की यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों में जटिलताओं को उजागर किया है।"

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल-सऊद (एमबीएस) की नई दिल्ली की दिन भर की यात्रा को कई परिणामों को देखते हुए एक राजनयिक सफलता माना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने रक्षा साझेदारी को उन्नत करने, सुरक्षा मुद्दों पर समन्वय स्थापित करने के लिए एक 'रणनीतिक भागीदारी परिषद' बनाने और दो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच आतंकवाद-निरोध, खुफिया जानकारी साझाकरण और समुद्री सुरक्षा चर्चा के लिए नियमित रूप से बातचीत करने के उपायों की घोषणा की है।

सऊदी अरब ने लगभग 26 अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने में भी अपनी रुचि व्यक्त की है। देखा जाये, तो यह सार्वजनिक क्षेत्र के तेल उपक्रमों और 10 बिलियन डॉलर के सार्वजनिक निधि निवेश के साथ मौजूदा संयुक्त उद्यम के लिए 44 बिलियन डॉलर के भारत में पहले से ही किए गए निवेश से परे है। इस मौके पर दोनों देशों के बीच पांच समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें 'नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड' में निवेश तथा पर्यटन और आवास के क्षेत्र में सहयोग शामिल है।

इसके साथ ही भारत के इन्वेस्ट इंडिया और सऊदी अरब के जनरल इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के बीच द्विपक्षीय निवेश संबंधों के लिए और प्रसार भारती तथा सऊदी ब्रॉडकास्ट कोऑपरेशन के बीच मिलकर कार्य करने के लिए हस्ताक्षर हुए। हांलाकि, क्राउन प्रिंस से उम्मीद थी कि वे पुलवामा में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच

विवादों को द्विपक्षीय रूप से हल किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह प्रोटोकॉल तोड़कर शहजादे का स्वागत किया, उससे स्पष्ट है कि भारत सऊदी अरब को कितनी तवज्जो देता है। हालांकि, इसके बदले में राजकुमार ने हज कोटा बढ़ाने और सऊदी जेल से 850 भारतीयों को रिहा करने की सहमति दे दी है।

हालांकि, इन घोषणाओं और संकेत को इस तथ्य पर अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि पुलवामा हमले के तुरंत बाद एमबीएस ने पाकिस्तान की यात्रा की। परिणामस्वरूप, उनकी भारत यात्रा को उनकी पाकिस्तान यात्रा के दौरान दिए गए बयानों के खिलाफ मापा जा रहा है, जहां उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए इस्लामाबाद की प्रशंसा की है।

उन्होंने पहले से घोषित 6 बिलियन डॉलर की सहायता के अलावा 20 बिलियन डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है। भारत और सऊदी अरब ने लगातार द्विपक्षीय संबंधों का निर्माण किया है और पिछले दो दशकों में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच संबंधों को महत्व देने में बहुत सावधानी बरती है। 2010 में रियाद घोषणा में भारत-सऊदी अरब संबंधों को एक मजबूत साझेदारी के साथ मजबूत किया गया था।

GS World टीम...

भारत और सऊदी अरब संबंध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान दो दिनों की भारत यात्रा पर आए थे हैं, जिसके दौरान भारत, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा उठाया गया।
- साथ ही दोनों देशों ने रक्षा संबंधों में बढ़ोत्तरी पर भी चर्चा किया, जिसमें संयुक्त नौसेना अभ्यास शामिल है।
- इस यात्रा के दौरान भारत और सऊदी अरब के बीच 5 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये।
- इस यात्रा में व्यापार व निवेश के अलावा द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों की मजबूती पर विशेष फोकस किया गया।

क्या हुआ समझौता

- **भारत में 100 अरब डॉलर निवेश के लिए तैयार:-** भारत और सऊदी अरब ने अपने आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तथा ऊर्जा संबंधों को खरीददार-विक्रेता से आगे बढ़ाते हुए सामरिक गठजोड़ में तब्दील करने का संकल्प व्यक्त किया है।
- सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने भारत में विभिन्न क्षेत्रों में 100 अरब डॉलर के निवेश करने की घोषणा की।
- **भारतीय कैदियों को रिहा करने का फैसला:-** भारत के दौरे पर आए सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद अपने देश की जेलों में बंद 850 भारतीय कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है।
- **भारतीय हज यात्रियों का कोटा बढ़ा:-** सऊदी अरब ने भारत से जाने वाले हज यात्रियों का कोटा बढ़ा कर दो लाख सालाना करने का फैसला किया है।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद के बीच हैदराबाद हाउस में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में सऊदी अरब ने इस आशय की घोषणा की।
- वर्ष 2018 में भारतीय हज यात्रियों का कोटा एक लाख 75 हजार 25 था।
- **सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा कारोबारी पार्टनर:**
- सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। 2017-18 के दौरान दोनों देशों के बीच 1.95 लाख करोड़ का सालाना कारोबार हो रहा था।
- सऊदी अरब भारत की कुल जरूरत का 17% कच्चा तेल और 32% एलपीजी मुहैया करा रहा है।

मुख्य बिंदु

- विदेश मंत्रालय के सूत्र बताते हैं प्रिंस सलमान की भारत यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है और भारत अपने सहयोगी देश सऊदी अरब का आठवां रणनीतिक साझेदार देश बनने जा रहा है।
- सऊदी अरब और भारत के बीच में 27.48 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है।
- 2016-17 की तुलना में पिछले साल इसमें दस प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- 2017-18 के दौरान दोनों देशों के बीच 1.95 लाख करोड़ का सालाना कारोबार हो रहा था।
- सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा आर्थिक साझेदार देश है।
- अभी भारत अपनी जरुरत का 17 फीसद तेल और 32 फीसद गैस सऊदी अरब से खरीदता है।
- दोनों देश खाद्य सुरक्षा, आधारभूत ढांचा, नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक जैसे क्षेत्रों में संयुक्त गठजोड़ बढ़ाने को इच्छुक हैं।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

   1. हाल ही में सऊदी अरब और भारत के मध्य पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किया गया।
   2. इन पाँच समझौतों में 'नेशनल इन्वेस्टमेंट एण्ड इफ्रास्ट्रक्चर फण्ड' में निवेश तथा पर्यटन और आवास के क्षेत्र में सहयोग शामिल हैं।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1 और न ही 2

1. **Consider the following statements-**

   1. Recently, five agreements have been signed between Saudi Arabia and India.
   2. These five agreement includes investment in National Investment and Infrastructure Fund and cooperation in the field of tourism and housing.

   Which of the above statements is/are correct?

   (a) Only 1
   (b) Only 2
   (c) Both 1 and 2
   (d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: भारत और सऊदी अरब के मध्य द्विपक्षीय संबंधों की चर्चा करते हुए बताइए कि हाल ही में इन देशों के मध्य किन मुद्दों पर संयुक्त रूप से कार्य करने पर बल दिया गया है?

Q. Discussing the bilateral relations between, India and Saudi Arabia also discuss the issues on which these countries have recently emphasised to work Jointly?

(250 Words)

नोट : 22 फरवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(c) होगा।

GS World
Committed To Excellence